B-3
L-9

⇒ **Green GDP**

⇓

सूत्र

⇓

GDP का मौद्रिक मूल्य — GDP को उत्पादित करने के दौरान पर्यावरण को पहुँची क्षति का अनुमानित मूल्य

Note- भारत में सबसे पहले 2009 में Green GDP की चर्चा की गयी थी (तत्कालीन पर्यावरण मंत्री- श्री जयराम रमेश) और यह कहा गया था कि 2015 तक इसे लागू कर दिया जायेगा। हालांकि अभी तक इसे लागू नहीं किया है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Trusted Learning Partner
KHAN SIR

⇒ **GNH = Gross National Happiness** :- Mains 2013 (Essay)

⇓

यह अवधारणा भूटान के नरेश द्वारा 1972 में दी गयी। यह निम्नलिखित 4 मुख्य बातों पर आधारित है।

1- सतत विकास
2- पर्यावरण का संरक्षण
3- सांस्कृतिक मूल्यों का रख-रखाव
4- सुशासन

Note- इस अवधारणा के अन्तर्गत यह बताने की कोशिश की गयी कि जीवन में खुशहाली का महत्वपूर्ण स्थान है।

⇒ Net Zero Carbon

सूत्र-

CO_2 का कुल उत्सर्जन − CO_2 का कुल अवशोषण = 0

लक्ष्य :- 1- भारत − 2070

2- विश्व − 2050

3- भारतीय रेल − 2030

⇒ Carbon Tax

- CO_2 का अधिक उत्सर्जन करने वाले पदार्थों के उत्पादन को नियंत्रित करने के लिए लगाया जाने वाला एक कर (Tax) है।

यह कर मुख्य रूप से जीवाश्म ईंधन पर लगाया जाता है जैसे कि- पेट्रोल, डीजल कोयला आदि।

⇒ भारत में कार्बन कर (Tax) :-

भारत में स्पष्ट रूप से कार्बन कर के नाम से कोई कर आरोपित नहीं किया जाता है लेकिन २०१४-१५ के आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार निम्नलिखित करों को निहित कार्बन कर माना जा सकता है।-

1- पेट्रोल, डीजल आदि पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

2- पेट्रोल, डीजल आदि पर राज्य स्तरीय बिक्री कर/VAT

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR

⇒ Carbon Border Tax

CBAM (Carbon border Adjustment Mechanism) के अन्तर्गत Carbon Leakage को रोकने के लिए EU द्वारा इसे लागू किया जा रहा है।

भारत सहित अन्य BASIC (ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, भारत और चीन) राष्ट्र इसका विरोध कर रहे हैं। उनका यह कहना है कि इसके माध्यम से EU (यूरोपीय संघ) संरक्षणवादी नीति लागू कर रहा है। इसे निम्नलिखित चित्र द्वारा समझाया जा सकता है।

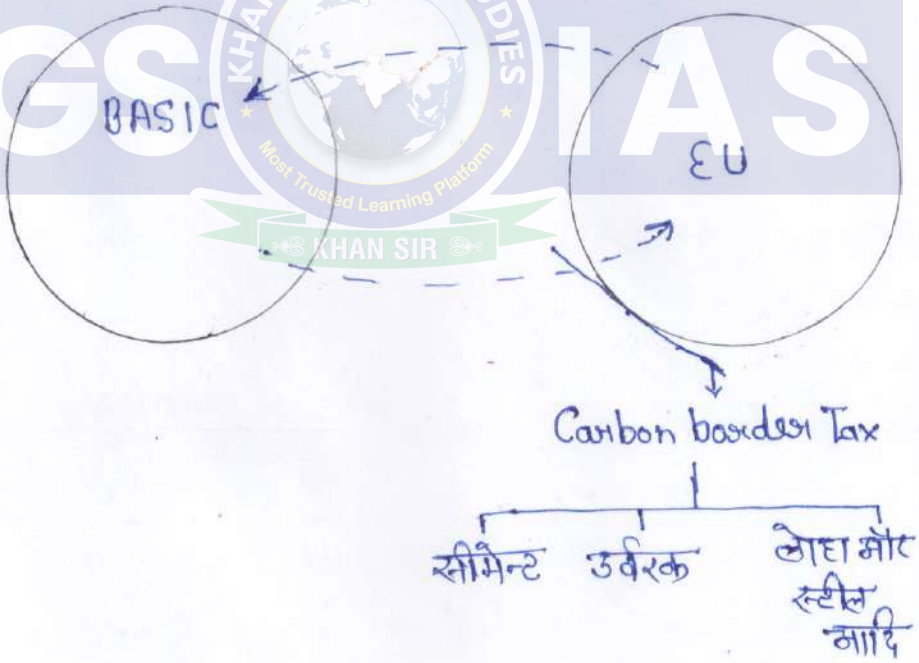

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

⇒ पर्यावरणीय कुजनेट्स वक्र

⇓

यह प्रदूषण और आर्थिक विकास (PCI के रूप में) में सम्बन्ध दिखाता है।

⇓

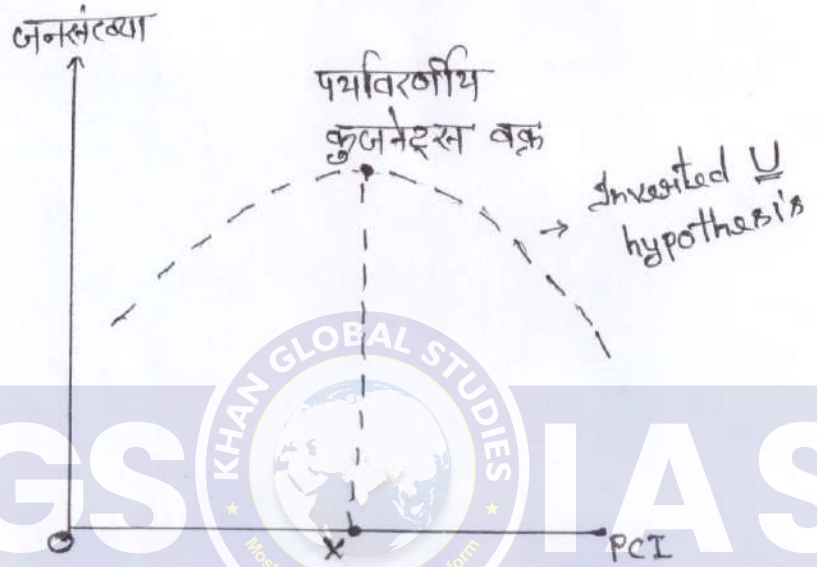

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

⇒ कार्बन क्रेडिट :-

यह एक वित्तीय इकाई होती है जो एक टन CO_2 को पर्यावरण से अवशोषित करने के प्रयासों को प्रदर्शित करती है।

इसे निम्न दो प्रकार से अर्जित किया जा सकता है-

1. Green Projects (सोलर एनर्जी, विंड एनर्जी आदि) में निवेश करके।

2- CO_2 उत्सर्जन के आवंटित स्तर से कम CO_2 का उत्सर्जन करना।

यह ध्यान देने योग्य है कि कार्बन क्रेडिट को बेचा और खरीदा जा सकता है। अर्थात इनकी ट्रेडिंग की जा सकती है।

आलोचना- यह कहा जाता है कि कार्बन क्रेडिट के कारण प्रदूषण का स्तर प्रभावी रूप से कम नहीं हो पाता है।

⇒ Greenwashing - (UPSC PT 2022)

↓

वह प्रक्रिया जिसमें कंपनियां इस बात का झूठा दावा करती हैं कि उनके उत्पाद पर्यावरण को ध्यान में रखते हैं और उनके प्रति मित्रवत हैं।

KCS KHAN GLOBAL STUDIES IAS Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

⇒ ESG - Environment, Social & Governance